अपने ज्ञान को दें उड़ान, प्रबंधन की दुनिया में होगा गुणगान

कार्यक्रम ● आइआइएम में ईपीजीपी का वर्चुअल उद्घाटन, नियमित कक्षाएं छह से

रायपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर (आइआइएम) में एग्जीक्यूटिव पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (ईपीजीपी) का कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें वक्ताओं ने कहा कि अपने ज्ञान को बढ़ाएंगे, तभी आप बेहतर प्रबंधन कर पाएंगे और लोग आपकी तारीफ करेंगे।

कार्यक्रम का वर्चुअल उद्घाटन अटल नगर, नया रायपुर में आइआइएम रायपुर के स्थायी परिसर में हुआ। नियमित कक्षाएं छह जनवरी से शुरू होंगी। ब्लेंडेड मोड ईपीजीपी कार्यक्रम में प्रत्येक पांच दिनों में दो कैंपस इमर्शन होते हैं, जबकि बाकी कक्षाएं लाइव आनलाइन इंटरेक्टिव मोड में होंगी। उद्घाटन कार्यक्रम की शुरुआत प्रोफेसर मोहित गोस्वामी, अध्यक्ष (ईपीजीपी) ने आने वाले ईपीजीपी छात्रों का स्वागत करते हुए की। प्रो. गोस्वामी ने ईपीजीपी का संचालन करने वाले आइआइएम रायपुर के संकाय सदस्यों का परिचय दिया। इसके बाद, अध्यक्ष (प्रवेश) प्रो. एम. कन्नधसन ने बैच प्रोफाइल का परिचय दिया। कुल 207 छात्र ईपीजीपी 2021-23 बैच का हिस्सा हैं। बैच की औसत आयु 34 वर्ष है। इस बैच में भारतीय वायु सेना, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, अमेरिकन एक्सप्रेस, बीपीसीएल, फ्लिपकार्ट, इंफोसिस, एरिक्सन, टाटा स्टील, सीमेंस, सैप लैब्स, बैंक आफ अमेरिका, नोकिया जैसे प्रमुख और विविध संगठनों के प्रतिभागी शामिल हैं। प्रो. एम. कन्नधसन ने भी ईपीजीपी कार्यक्रम के लिए प्रवेश प्रक्रिया के बारे में जानकारी दी।

आइआइएम में ब्लेंडेड मोड एग्जीक्यूटिव पोस्ट ग्रेजुएट प्रोग्राम इन मैनेजमेंट (ईपीजीपी) की वर्चुअल शुरुआत। ● सौ. आइआइएम

खुद को लगातार मजबूत करने की आवश्यकता

आइआइएम रायपुर में डीन (अकादमिक) प्रो. संजीव प्राशर ने छात्रों का स्वागत किया। महाभारत से उदाहरण लेते हुए, उन्होंने छात्रों से उम्मीदें बताईं। उन्होंने छात्रों से अपने ज्ञान और बुद्धि का लगातार विस्तार करने का भी आग्रह किया। प्रो. भारत भास्कर, निदेशक आइआइएम रायपुर ने अपने स्वागत भाषण में व्यापारिक परिदृश्य से जुड़ी चुनौतियों, विशेष रूप से डिजिटल अर्थव्यवस्था, को अपनाने और भविष्य के कार्यबल का हिस्सा बनने के बारे में बात की। उन्होंने जोर देकर कहा कि कामकाजी पेशेवरों को संकाय सदस्यों के साथ जुड़कर खुद को लगातार मजबूत करने की आवश्यकता है, ताकि वे 2025 तक राष्ट्र को पांच ट्रिलियन-डालर की अर्थव्यवस्था के दृष्टिकोण में सहभागी बन सकें। हमेशा अपने जीवन को सीइओ के रूप में करें काम : इस आयोजन के मुख्य अतिथि भूपेश डिंगर, माननीय सदस्य, बोर्ड आफ गवर्नर्स आइआइएम रायपुर ने छात्रों को अपनी भूमिकाओं से परे जाने और हमेशा अपने क्षितिज का विस्तार करने के लिए प्रेरित किया। अपने जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए, उन्होंने कहा कि केवल एक नौकरी की भूमिका से संतुष्ट होना पर्याप्त नहीं है, बल्कि व्यक्ति को हमेशा अपने जीवन के सीइओ के रूप में कार्य करना चाहिए। वर्चुअल उद्घाटन कार्यक्रम का समापन प्रो. मोहित गोस्वामी द्वारा ईपीजीपी कार्यक्रम कार्यालय, आइटी टीम और प्रशासन से सहायक कर्मचारियों सहित सभी के लिए धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

Naidunia, 5th Jan. 2021,p.13.jpg